



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 525]

नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 21, 1983/कार्तिक 30, 1905

No. 525]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 21, 1983/KARTIKA 30, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1983

का. आ. 851(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./83.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 767(अ), तारीख 23 अक्टूबर, 1981 द्वारा (जिसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैरुस मोहनी मिल्स लिमिटेड, बेलधरिया, पश्चिमी बंगाल नामक औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन तीस दिन की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड, सूर्यकिरण भवन, कतूरगा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 821(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./81, तारीख 21 नवम्बर, 1981; का.आ. 340(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 21 मई, 1982; का.आ. 810(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17

नवम्बर, 1982 और का. आ. 369(अ)/18कक/आई.डी.आर.ए./83, तारीख 21 मई, 1983 द्वारा उक्त आदेश को 21 नवम्बर, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था ;

और, केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम उक्त नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध के अधीन छह मास की अवधि के लिए बना रहे ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 21 मई, 1984 तक की अवधि जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की अवधि के लिए, प्रभावी बना रहेगा ।

[फाइल सं. 3(5)/81-सी.यू.एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 21st November, 1983

S.O. 851(E)/18AA/IDRA/83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry

of Industry (Department of Industrial Development) S.O. 767(E), dated the 23rd October, 1981 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Limited, Belgharia, West Bengal, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of thirty days and the National Textile Corporation Limited, Surya Kiran Building, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the orders of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) numbers S.O. 821(E)|18AA|IDRA|81, dated the 21st November, 1981, S.O. 340(5)(E)|18AA|82, dated the 21st May, 1982, S.O. 810(E)|18AA|IDRA|82, dated the 17th November, 1982 and S.O. 369(E)|18AA|IDRA|83, dated the 21st May, 1983, the said order was extended upto and inclusive of the 21st November, 1983.

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the said National Textile Corporation Limited for a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for the further period of six months upto and inclusive of the 21st May, 1984.

[File No. 3(5)|81-CUS]

का. अ. 852(अ)/18चख/आई. डी. आर. ए./83.—
केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश का.अ. 783(अ)/18चख/आई. डी.आर.ए./81, तारीख 2 नवम्बर, 1981 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पहले प्रवृत्त ऐसा सभी या किन्हीं संस्थाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण-पत्रों, करारों, परिनिर्धारण, पंखाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों के प्राप्तिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिनका मंगल मोहिनी मिल्स प्राइवेट लि., कोलकाता, पश्चिम बंगाल नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम को लागू हैं, प्रवर्तन 21 नवम्बर, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए निर्विघ्न रहेगा और नवम्बर तारीख से पहले उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिए निर्र्धारित रहेंगे ;

र, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.अ. 882(अ)/18चख/आई.डी.आर. ए./81 तारीख 21 नवम्बर, 1981 और का. अ. 341(अ)/18चख/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 21 मई, 1982 और का. अ. 811(अ)/18चख/आई.डी.आर.ए./82, तारीख 17 नवम्बर, 1982 द्वारा उक्त आदेश को 21 मई, 1983 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था ;

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का.अ. 370(अ)/18चख/आई. डी.आर.ए./83, तारीख 21 मई, 1983 द्वारा उक्त आदेश को 21 नवम्बर, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दिया गया था ;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को छह मास की और अवधि के लिए बढ़ा दिया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चख की उपधारा (2) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि को 21 मई, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है ।

[फाइल सं. 3(5)/81-सी.यू.एस.]

ए. पी. सरवन, संयुक्त सचिव

S.O. 852(E)|18FB|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. 783(E)|18FB|IDRA|83, dated the 2nd November, 1981, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all or any of contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mohini Mills Limited, Belgaria, West Bengal, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 21st November, 1981 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 822(E)|18FB|IDRA|81, dated the 21st November, 1981 and S.O. No. 341(E)|18FB|IDRA|82, dated the 21st May, 1982 and S.O. 811(E)|18FB|IDRA|82 dated the 17th November, 1982 the said Order was extended for the period upto and inclusive of the 21st May, 1983;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 370(E)/18FB/IDRA/83 dated 21st May, 1983 the said Order was extended for the period upto and inclusive of 21st November, 1983:

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of 21st May, 1984.

[F. No. 3(5)/81-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

